भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

राजस्थान RAJASTHAN 627614

1. दस्तावेज का प्रकार : – विक्रयनामा (विक्रेता की ओर से प्रस्तुत है)

2. विक्रेता :– भैरूलाल पुत्र रामचन्द्र आयु 45 वर्ष जाति गूजर निवासी भानपुरकलां तह0 जमवारामगढ जिला जयपुर राज0 का हूँ। तथा इस विक्रय पत्र में विक्रेता के शब्द से सम्बोधित हूँ ।

3. क्रेता :– अहिंसा विद्यापीठ समिति पता कैलाशपुरी , आमेर रोड जयपुर राज0, जरिये अध्यक्ष श्री भैरूलाल पुत्र रामचन्द्र जाति गूजर निवासी भानपुरकलां तह0 जमवारामगढ जिला जयपुर राज0 क्रेता शब्द से सम्बोधित है।

उप पंजीयक

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

राजस्थान RAJASTHAN

627615

(2)

4 विक्रय की गई भूमि का विवरण – ग्राम तन भानपुरकलां पटवार हल्का भानपुरकला मे मुख्य सडक से डेढ किलोमीटर की दूरी मे मेरी स्वयं की कृषि ख0 न0 573 रकबा 4 बीघा 17 बिस्वा मे मेरे हिस्से 1/4 का 5/6 का उक्त केता(संस्था) को विक्रय किया गया है।

5. विक्रय की गई भूमि की कीमत :– मुबलिग 1,00,000/ अक्षरे एक लाख रुपये मात्र ।

6. स्टाम्प डयूटी संलग्न :– 1,500/ अक्षरे एक हजार पॉच सौ रुपये मात्र है।

उक्त वर्णित भूमि आज तक हर प्रकार के रहन विक्रय, कुर्की, जमानत व ऋण आदि के भार से सर्वथा मुक्त है मैने उक्त वर्णित खातेदारी भूमि को न ही किसी बैंक जमानत आदि मे बंधित रखी है नही आज से पूर्व किसी को अपना मुख्यतार आम मुख्त्यार खास नियुक्त कर अधिकार दिये है ।

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

राजस्थान RAJASTHAN 627616

(3)

मुझे रूपयो की आवश्यकता होने से मेरी अपनी उक्त वर्णित खातेदारी सम्पति ख0 न0 573 रकबा 4 बीघा 17 बिस्वा मे मेरे हिस्से 1/4 का 5/6 सम्पूर्ण की हक खातेदारी हक कास्त हक मालिकाना बएवंज 1,00,000/ अक्षरे एक लाख रूपये के बदले अहिंसा विद्यापीठ समिति पता कैलाशपुरी , आमेर रोड जयपुर राज0, जरिये अध्यक्ष श्री भैरूलाल पुत्र रामचन्द्र जाति गूजर निवासी मानपुरकलां तह0 जमवारामगढ जिला जयपुर राज0 को सर्वथा विक्रय कर दिया है। तथा मुल्य की राशि सम्पूर्ण नकद प्राप्त कर कब्जा मौके पर क्रेता(संस्था) का करा दिया है कि जिसके बारे में व मेरे वारिसान आदि को कोई आपत्ति नहीं होगी तथा उनकी प्रत्येक आपति उक्त विक्रय पत्र के द्वारा अमान्य मानी जावेगी । अब क्रेता(संस्था) विक्रय सम्पति का नामान्तकरण अपने नाम प्रमाणित करा कर समानरूप से हक खातेदारी प्राप्त कर ले। यदि इसमे जहाँ भी मेरे हस्ताक्षरो व बयानो की आवश्यकता होगी तो मै सहर्ष करूगा । अब विक्रय भूमि पर सरकारी, अर्द्ध सरकारी, बैक भू–राजस्व व अन्य जनसाधारण के ऋण की कोई बकाया बाकी नहीं है यदि आज से पूर्व की कोई बकाया बाकी होगी तो उसका चुकारा मै स्वयं करूगां ।

(4)

भविष्य में विक्रय की गई भूमि का लगान क्रेता(संस्था) जमा कराते हुए विक्रय भूमि से एवं उसमे जो भी बौल, सौल पाला, पानी पुले, वृक्षादि से हर प्रकार का लाभ प्राप्त करती रहे कि जिसके समस्त अधिकार मेरे समान के आज से भविष्य से उक्त क्रेता(संस्था) को पूर्णतया प्राप्त हो चुके है । जिससे अब मेरा कोई भी हक व सम्बन्ध नहीं रहा है न भविष्य में रहेगा। इस विक्रय पत्र में कुल खर्चा उक्त क्रेता(संस्था) का हुआ है।

अतः यह विक्रय पत्र मैने पूर्ण रजामन्दी एवं स्वस्थ एवं स्थिर बुद्धि की अवस्था उक्त क्रेता(संस्था) के हित में स्टाम्प तीन किता तीन कीमती रुपया एक हजार पाँच सौ व एक ग्रीन पेपर पर लिखवा कर लिपिबद्ध करा दिया कि प्रमाण रहे इति दिनांक तहरीर दिनांक 21 अप्रेल 2008

हस्ताक्षर ह0 विक्रेता

ह0 क्रेता

साक्षी 1 कैलाशनारायण पुत्र हुकमाराम जाति अहीर
आयु 30 वर्ष निवासी नांगलतुलसीदास तह0 जमवारामगढ

साक्षी 2 बाबूलाल पुत्र धासीलाल जाति गुजर
आयु 40 वर्ष निवासी भानपुरकलां तह0 जमवारामगढ

ड्राफटेड बाई

वी. के. चतुर्वेदी
एडवोकेट